व्हेल जाती हैं

फ्रेड फ्लेगर

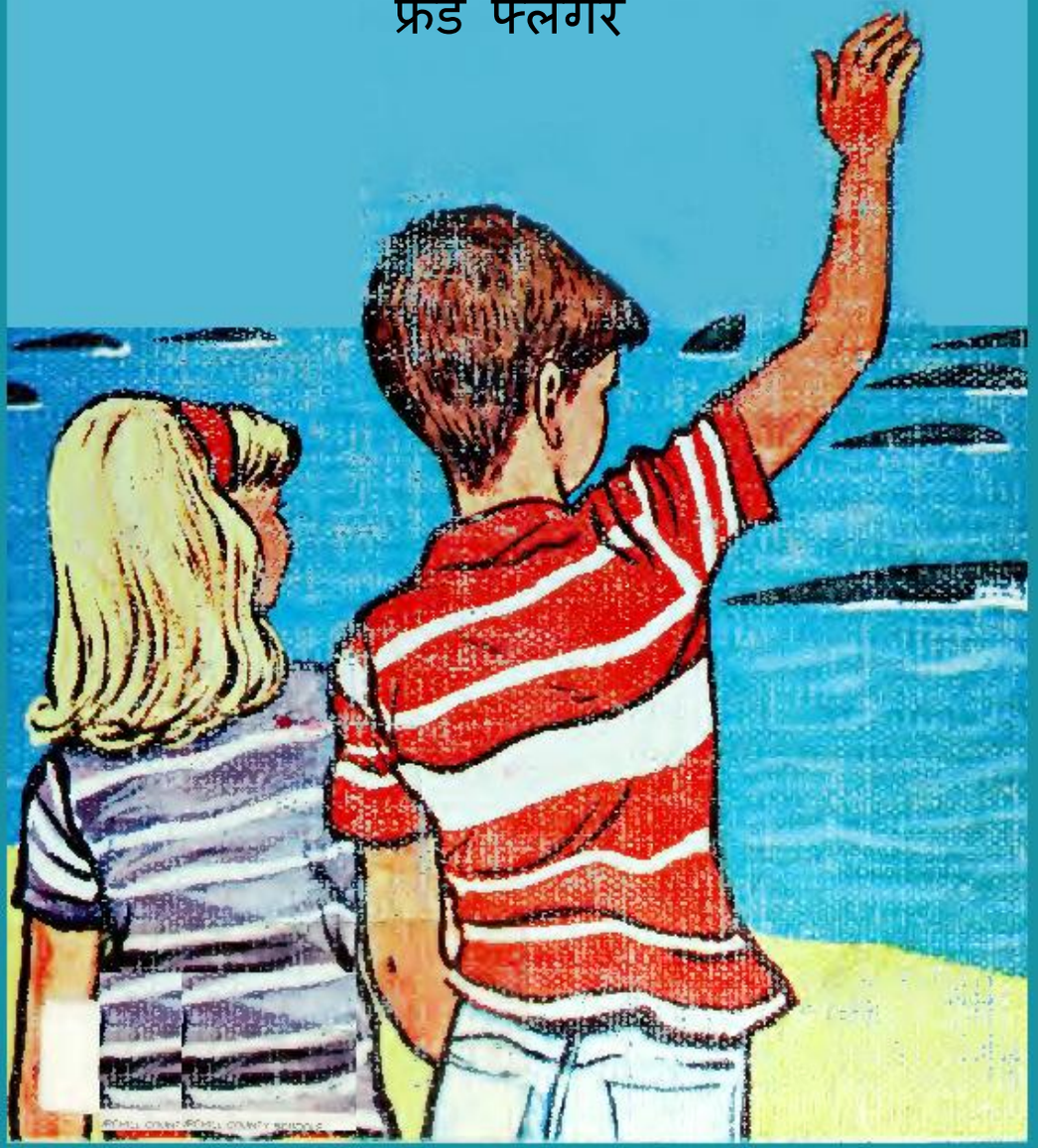

व्हेल जाती हैं

फ्रेड फ्लेगर

मैं विशाल हूँ. मैं एक व्हेल हूँ.
मैं ग्रे व्हेल हूँ. मेरा घर यहाँ
इस ठंडे सागर में है. कई और व्हेल
यहाँ इस ठंडे सागर में रहती हैं.

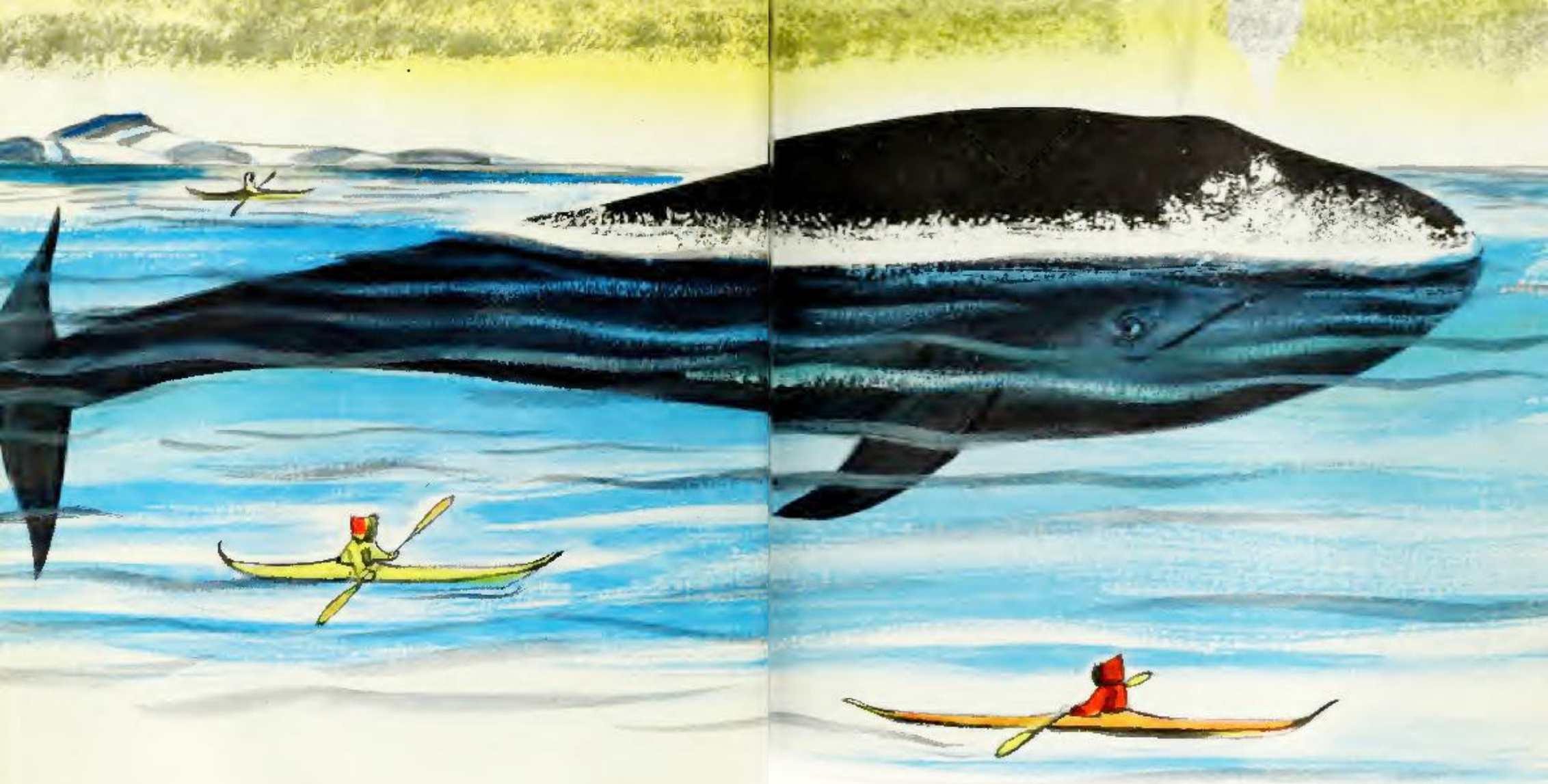

मैं बड़ी और मोटी हूँ. इस सागर में मुझे अपने जैसा बड़ा कोई और जीव दिखाई नहीं देता.

एक आदमी उतना बड़ा नहीं होता जितनी बड़ी मैं हूँ. वह नावें मेरे जितनी बड़ी नहीं हैं. दो नावें उतनी बड़ी नहीं हैं जितनी बड़ी मैं हूँ. तीन नावें उतनी बड़ी नहीं हैं. चार नावें लगभग उतनी बड़ी हैं जितनी मैं हूँ.

मैं एक मछली जैसी दिखती हूँ. एक मछली समान
मैं सागर में तैरती हूँ. लेकिन मैं मछली नहीं हूँ.

तुम्हारी तरह मैं भी हवा में सांस लेती हूँ.

मेरी नाक मेरे सिर के ऊपर है.

जब मैं पानी के अंदर चली जाती हूँ तब मैं
लंबे समय तक सांस नहीं लेती.
जब मैं पानी से बाहर आती हूँ
तब मैं गंदी हवा को बाहर फूंक देती हूँ और
ताज़ा हवा में सांस लेती हूँ.

एक दिन तेज़ हवा चलती है.

हवा सागर में बड़ी-बड़ी लहरें उत्पन्न करती है.

बड़ी लहरें मेरे नाक को पानी से भर देती हैं.

मुझे यह अच्छा नहीं लगता.

सागर का पानी अब ठंडा हो गया है.

अब हमारे यहाँ से जाने का समय हो गया है.

हमें अपने सर्दियों के घर में जाना होगा.

हमारा सर्दियों का घर गर्म सागर में है.

हम सर्दियों के घर की ओर जा रही हैं.
कई व्हेल मेरे साथ हैं.
हम धरती के निकट ही दक्षिण की ओर तैर रही हैं.
यह जानने के लिए कि हम सही दिशा में जा रही हैं
दिन के समय हमें धरती को देखना पड़ता है.
हम दूर से ही धरती को देख सकती हैं.

दो वृद्ध व्हेल हमारा नेतृत्व कर रही हैं. दक्षिण में स्थित
गर्म सागर की ओर जाने वाले रास्ते को वह जानती है.
वह कई बार वहाँ जा चुकी हैं.

बीच-बीच में कुछ खाने के लिए मैं रुकती हूँ.
अन्य व्हेल भी खाने के लिए रुकती हैं.
मैं जितना खा सकती हूँ उतना खाती हूँ.

पानी में पाई जाने वाली हर प्रकार की
छोटी चीज़ मैं खा सकती हूँ.
मुझे बहुत सारी चीज़ें खानी पड़ती हैं.
जो चीज़ें मैं खाती हूँ वह बहुत
छोटी होती हैं और मैं बहुत बड़ी हूँ!

हम बहुत दूर आ चुकी हैं.
और अभी हमें बहुत दूर जाना है.
अब हम थक गई हैं. हम सो जाती हैं.
जैसे तुम सोते हो. हम बहुत थक गई हैं.
थकने पर हम सो जाती हैं.
लेकिन हम पानी की सतह पर सोती हैं.
हम पानी की सतह पर सोती हैं
ताकि सोते समय हम सांस लेती रहें.

दिन-प्रतिदिन हम आगे बढ़ती हैं.
हम कई दिनों तक तैरती हैं.

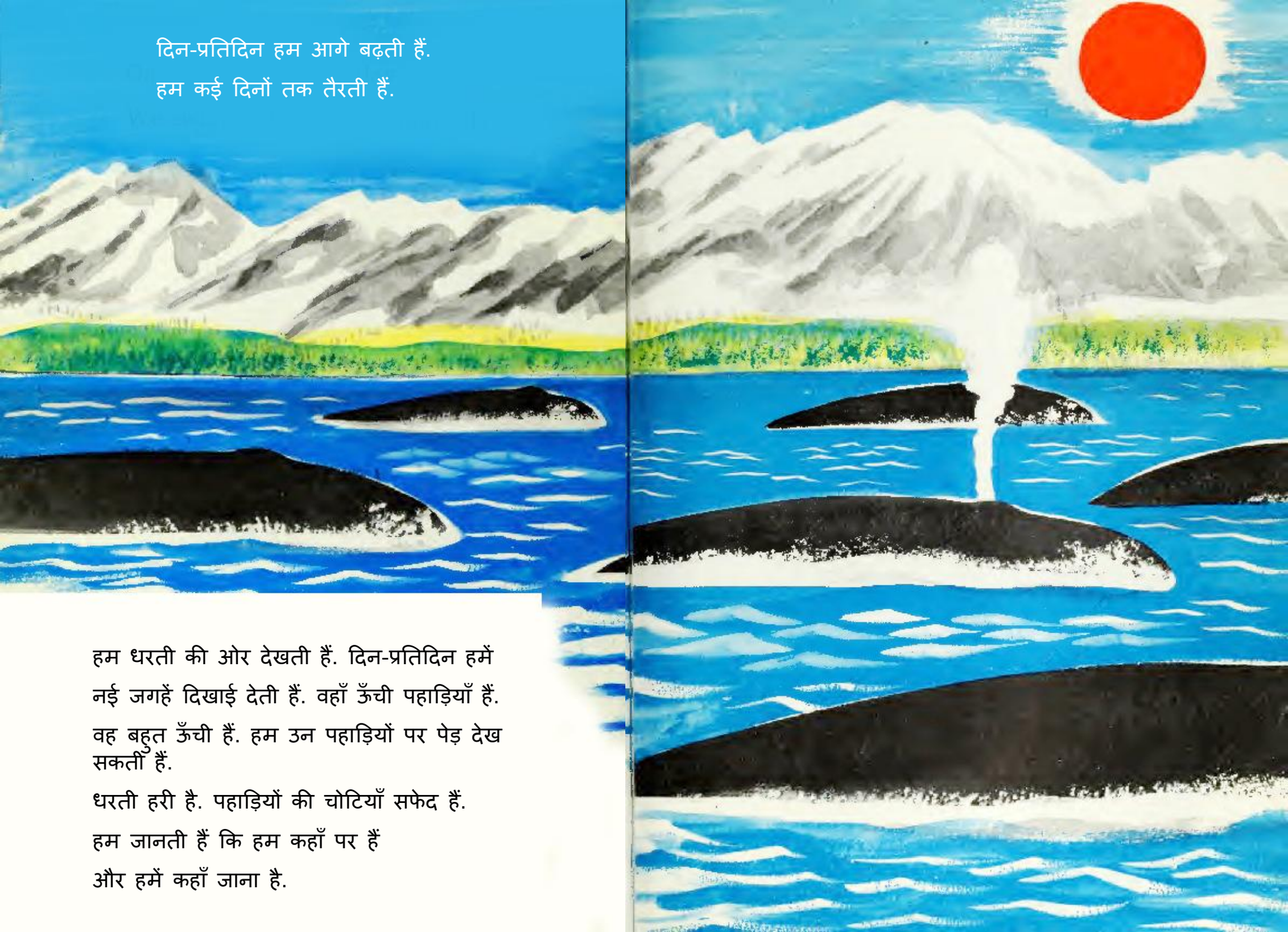

हम धरती की ओर देखती हैं. दिन-प्रतिदिन हमें नई जगहें दिखाई देती हैं. वहाँ ऊँची पहाड़ियाँ हैं. वह बहुत ऊँची हैं. हम उन पहाड़ियों पर पेड़ देख सकती हैं.

धरती हरी है. पहाड़ियों की चोटियाँ सफेद हैं.

हम जानती हैं कि हम कहाँ पर हैं
और हमें कहाँ जाना है.

एक रात बहुत तेज़ हवा चलती है.
सागर में उठ रही लहरें बहुत बड़ी हैं.
रात बिलकुल काली है. मैं देख नहीं सकती
कि मैं कहाँ पर हूँ. मैं अन्य व्हेल नहीं देख पा रही.
धड़ाम! मैं किसी चीज़ से टकराती हूँ.
मैं देख नहीं सकती कि वह चीज़ क्या है.

एक बड़ी लहर मुझसे टकराती है. मैं बार-बार
घूम जाती हूँ. मैं तैरने का प्रयास करती हूँ.
मैं तैर नहीं सकती. एक और लहर आती है.
वह मुझे उठा कर दूर पटक देती है. प्लॉप!
मैं कहाँ पर हूँ.....?

मैं रेत पर हूँ.
मैं तैर नहीं सकती. मैं बार-बार कोशिश करती हूँ
रेत के ऊपर पानी बहुत कम है.
मैं क्या करूँगी..... मैं बहुत
थक गई हूँ! रात कितनी काली है!

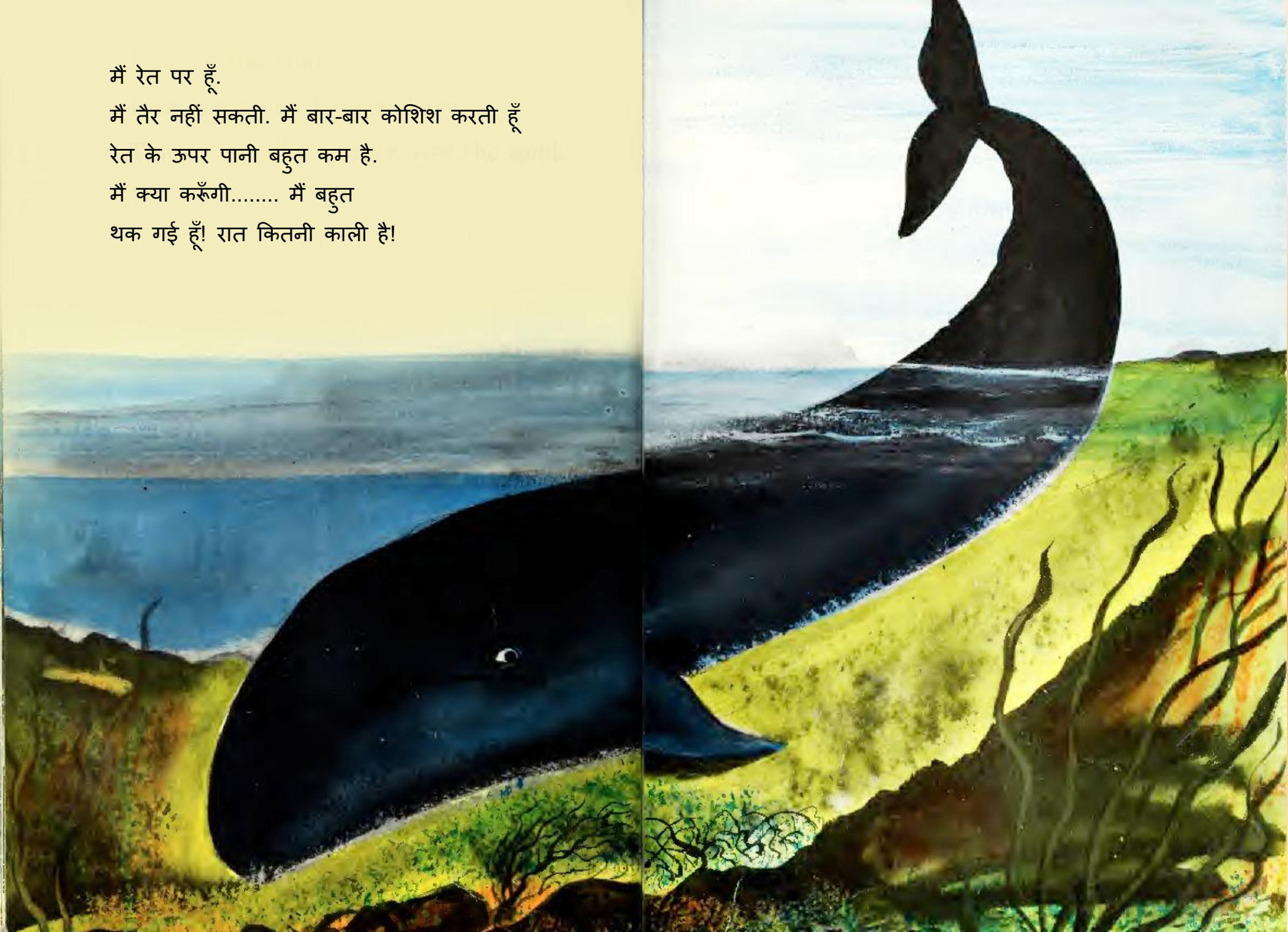

अंततः सूर्य उदय होता है.

अब दिन है. यहाँ अब थोड़ा अधिक

पानी है. पानी की सतह बहुत ऊपर हो गई है.

आखिरकार मैं यहाँ से दूर जा सकती हूँ.

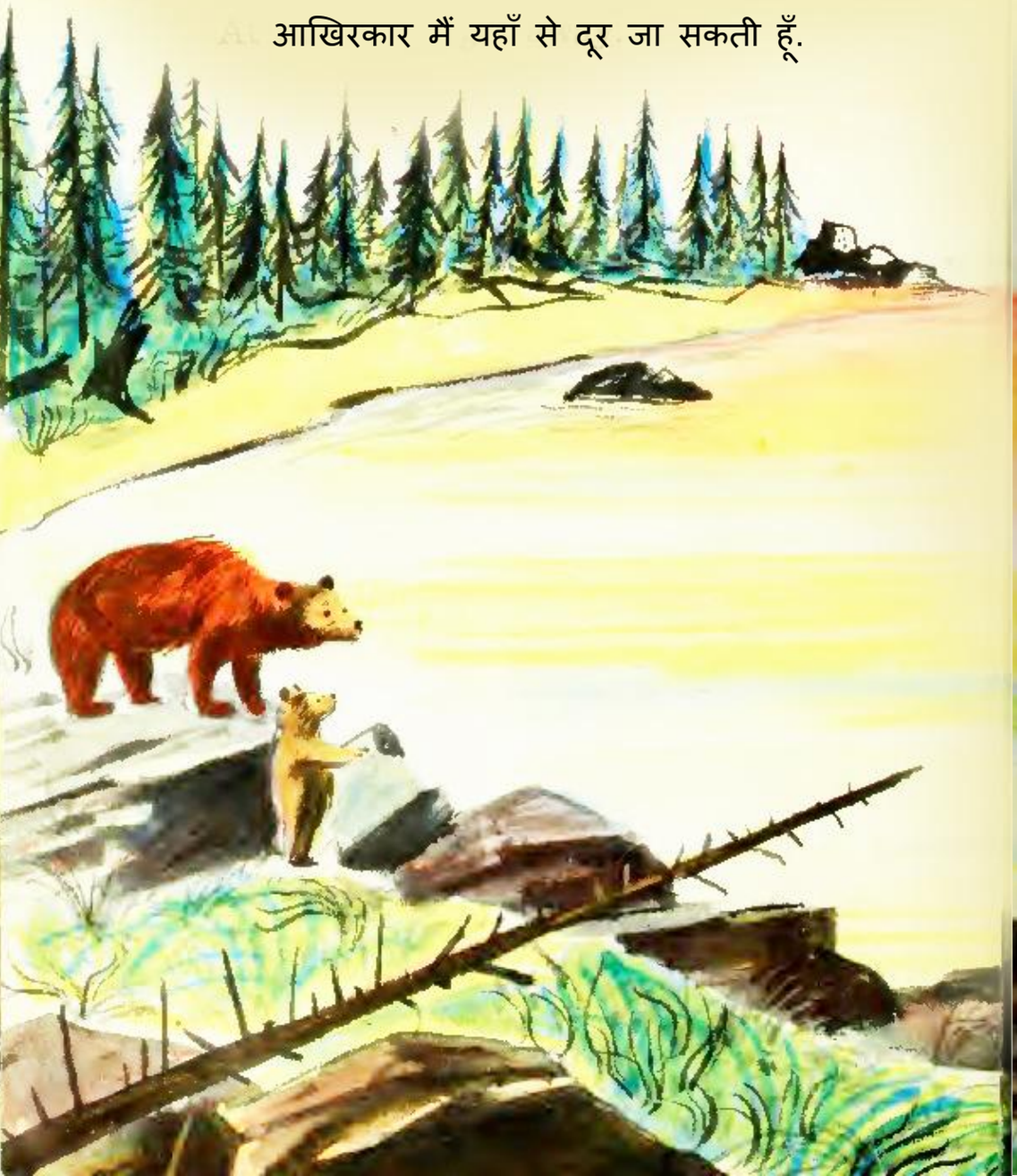

मैं प्रसन्न हूँ. मैं ज़ोर-ज़ोर से सांस लेती हूँ.

अन्य व्हेल जा चुकी हैं.

मुझे उनके पीछे जाना चाहिए.

हम दिन और रात, और रात और दिन
तैरती हैं. अब सागर का पानी उतना ठंडा नहीं है.
लेकिन हमारा सर्दियों का घर
अभी भी बहुत दूर है.
वहाँ उधर क्या है?

वह एक व्हेल से अधिक बड़ा है.
मेरे पास समय नहीं है कि मैं रुक कर देखूं
मैं तैरती रहती हूँ.

हम सोने के लिए नहीं रुकतीं.
हम खाने के लिए नहीं रुकतीं
हम तैरती रहती हैं, तैरती रहती हैं.

अब कुछ नया दिखाई दे रहा है!
एक लड़की पानी के ऊपर जा रही है.
काश, मैं भी ऐसा कर सकती.
लेकिन अभी हम रुक नहीं सकतीं.
हमें अपने सर्दियों के घर पहुँचना है.

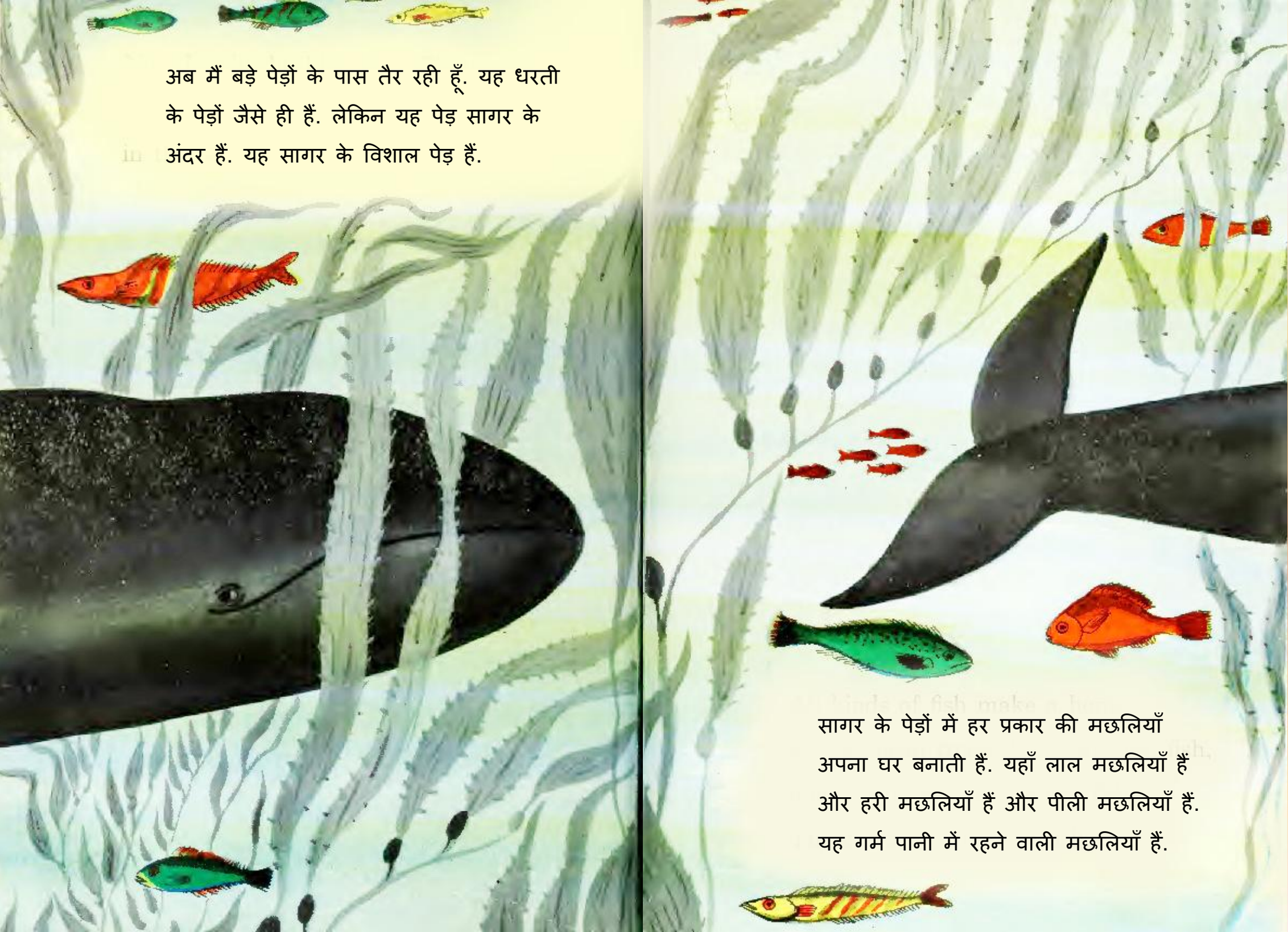

अब मैं बड़े पेड़ों के पास तैर रही हूँ. यह धरती के पेड़ों जैसे ही हैं. लेकिन यह पेड़ सागर के अंदर हैं. यह सागर के विशाल पेड़ हैं.

सागर के पेड़ों में हर प्रकार की मछलियाँ अपना घर बनाती हैं. यहाँ लाल मछलियाँ हैं और हरी मछलियाँ हैं और पीली मछलियाँ हैं. यह गर्म पानी में रहने वाली मछलियाँ हैं.

अब हम सील मछलियाँ दिखाई दे रही हैं.
सील सागर में तैरती हैं.
लेकिन वह धरती पर भी रह सकती हैं.
कई सील यहाँ रहती हैं.

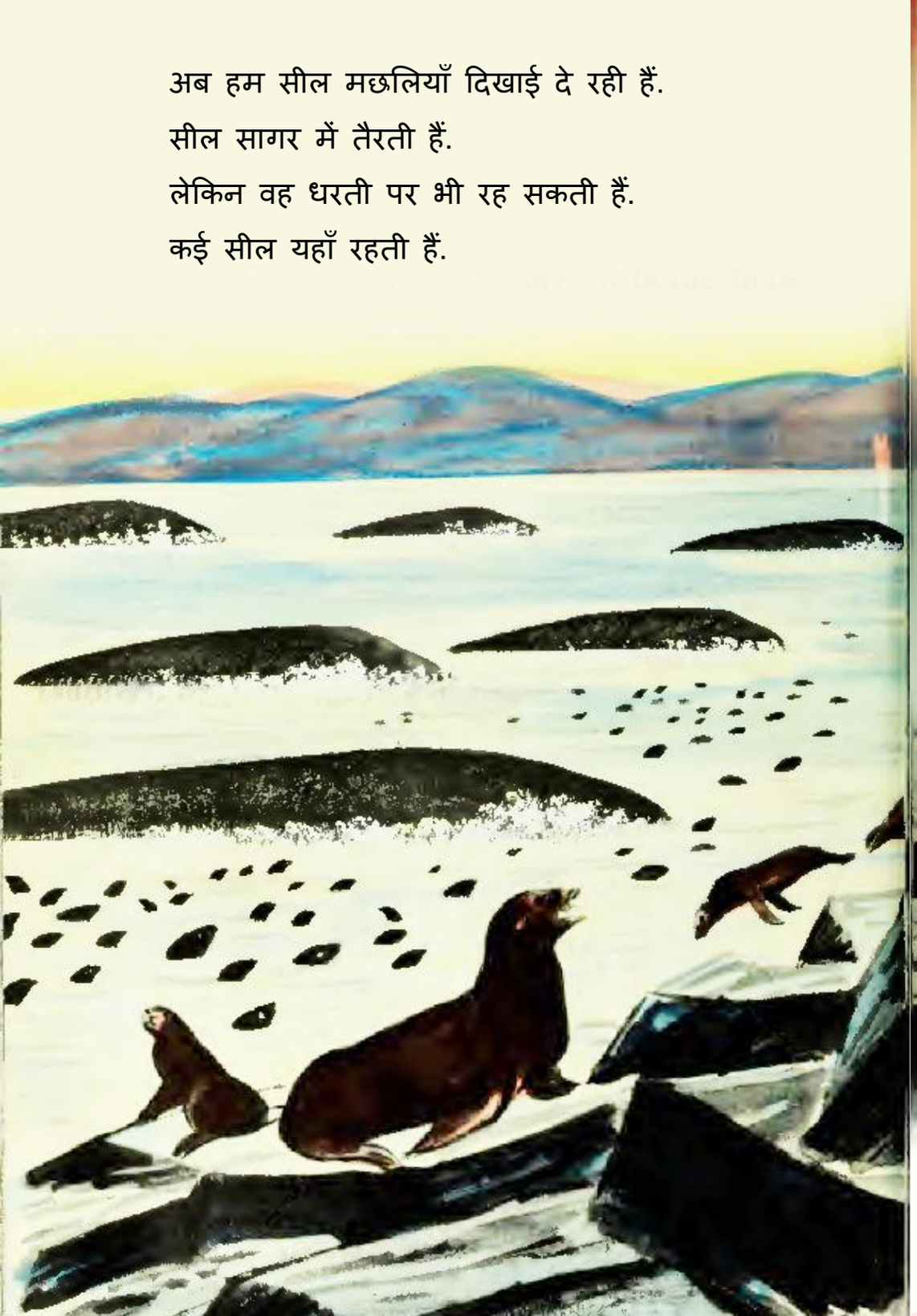

सील कुत्तों समान होती हैं. वह सागर के कुत्ते हैं. सील बहुत मस्ती में रहती हैं और हम उन्हें पसंद करती हैं.

हमें पर्पज़ भी अच्छे लगते हैं वह पानी से बाहर
ऊँची छलांग लगाते है. वह पानी को उछालते हैं.
पर्पज़ मछली जैसे दिखते हैं पर वह मछलियाँ नहीं हैं.
हमारी तरह वह भी हवा में सांस लेते हैं.

पर्पज़ हर समय उछलते और खेलते रहते हैं.
वह बहुत तेज़ तैर सकते हैं. काश, मैं भी उतना तेज़
तैर पाती जितनी तेज़ वह तैरते हैं.

लेकिन पर्पज़ अचानक चले जाते हैं?

उन्हें देखने के लिए मैं पानी से बाहर छलांग लगाती हूँ.
मुझे पानी में काली चीजें दिखाई देती हैं. वहाँ, उधर दूर!

मैं जानती हूँ कि वह काली चीज़ें क्या हैं.

इनके कारण पर्पज़ दूर चले गए हैं.

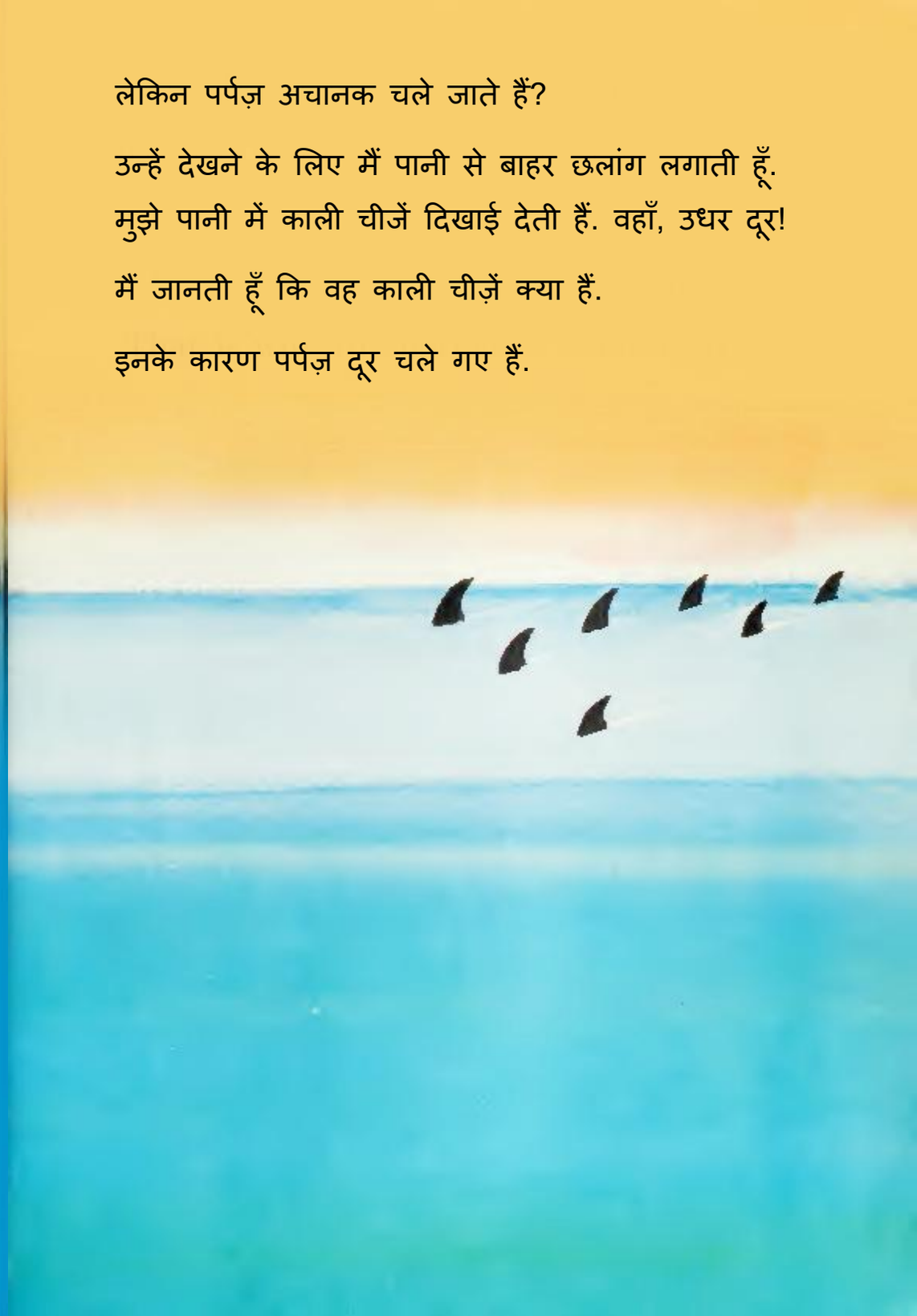

यह वह व्हेल हैं जो दूसरी व्हेल को मार डालती हैं.
इन्हें किल्लर व्हेल कहा जाता है.
किल्लर व्हेल पर्पज़ को भी मार डालती हैं.
लेकिन वह हमारा शिकार करना चाहती हैं.

वह आ रही हैं. वह बहुत तेज़ आ रही हैं.
जितनी तेज़ हम तैर सकती हैं हम तैरती हैं.
हम उनसे दूर जाने की कोशिश करती हैं.
लेकिन मैं किल्लर व्हेल जितना
तेज़ नहीं तैर सकती.

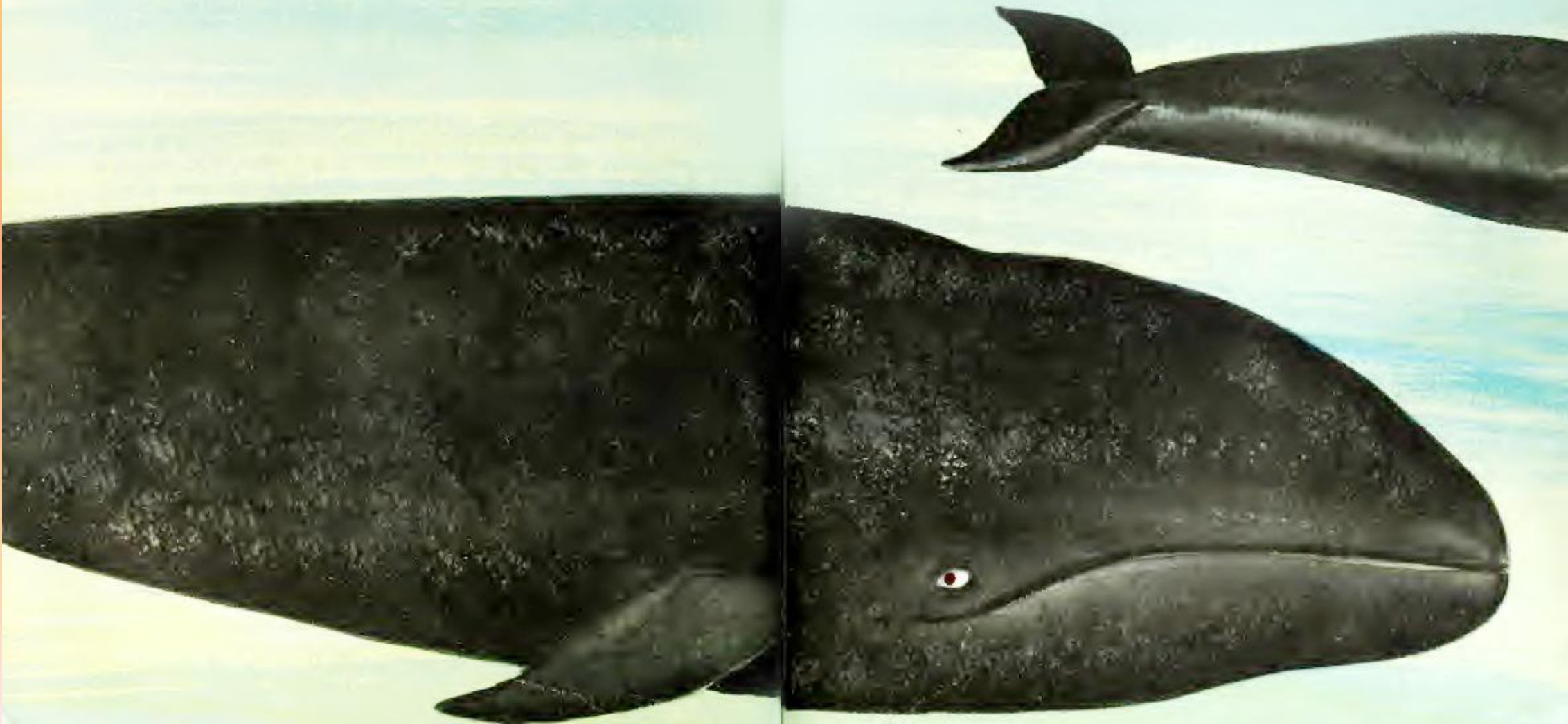

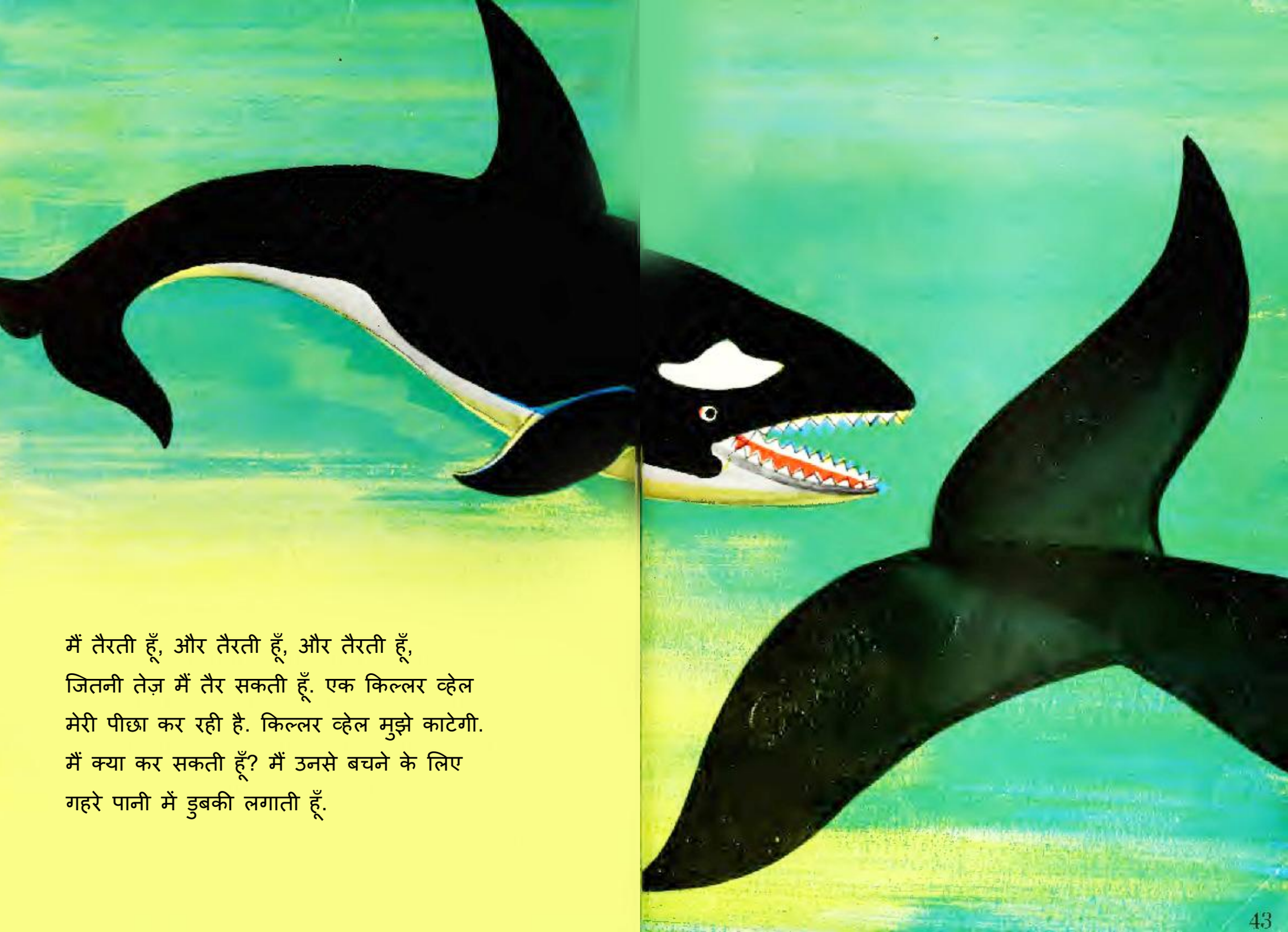

मैं तैरती हूँ, और तैरती हूँ, और तैरती हूँ,
जितनी तेज़ मैं तैर सकती हूँ. एक किल्लर व्हेल
मेरी पीछा कर रही है. किल्लर व्हेल मुझे काटेगी.
मैं क्या कर सकती हूँ? मैं उनसे बचने के लिए
गहरे पानी में डुबकी लगाती हूँ.

जब मैं वापस ऊपर आती हूँ, किल्लर व्हेल
दिखाई नहीं देतीं. उन्होंने पर्पज़ को देख लिया है.
अब वह पर्पज़ का पीछा कर रही हैं. अब वह
मेरी पीछा नहीं कर रही हैं. पर्पज़ तेज़ी से हवा में
उछलते हैं. वह निकल भागने में सफल होते हैं.
मुझे भी यहाँ से चले जाना चाहिए.

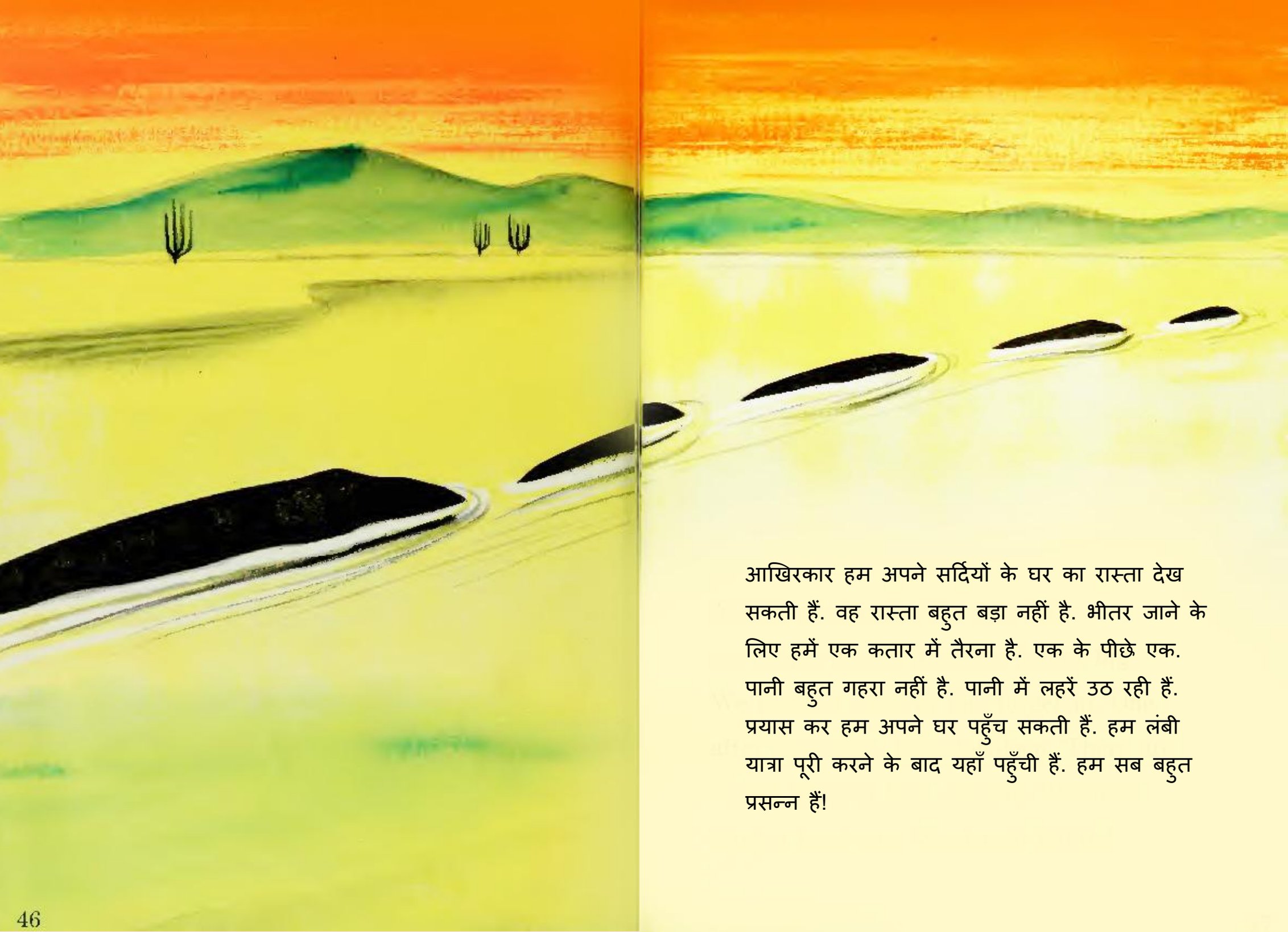

आखिरकार हम अपने सर्दियों के घर का रास्ता देख सकती हैं. वह रास्ता बहुत बड़ा नहीं है. भीतर जाने के लिए हमें एक कतार में तैरना है. एक के पीछे एक. पानी बहुत गहरा नहीं है. पानी में लहरें उठ रही हैं. प्रयास कर हम अपने घर पहुँच सकती हैं. हम लंबी यात्रा पूरी करने के बाद यहाँ पहुँची हैं. हम सब बहुत प्रसन्न हैं!

और अब हम यहाँ अपने सर्दियों के घर में हैं.
इसे लैगून कहते हैं.
यह ग्रे व्हेल का लैगून है.
यहाँ पानी गर्म है.

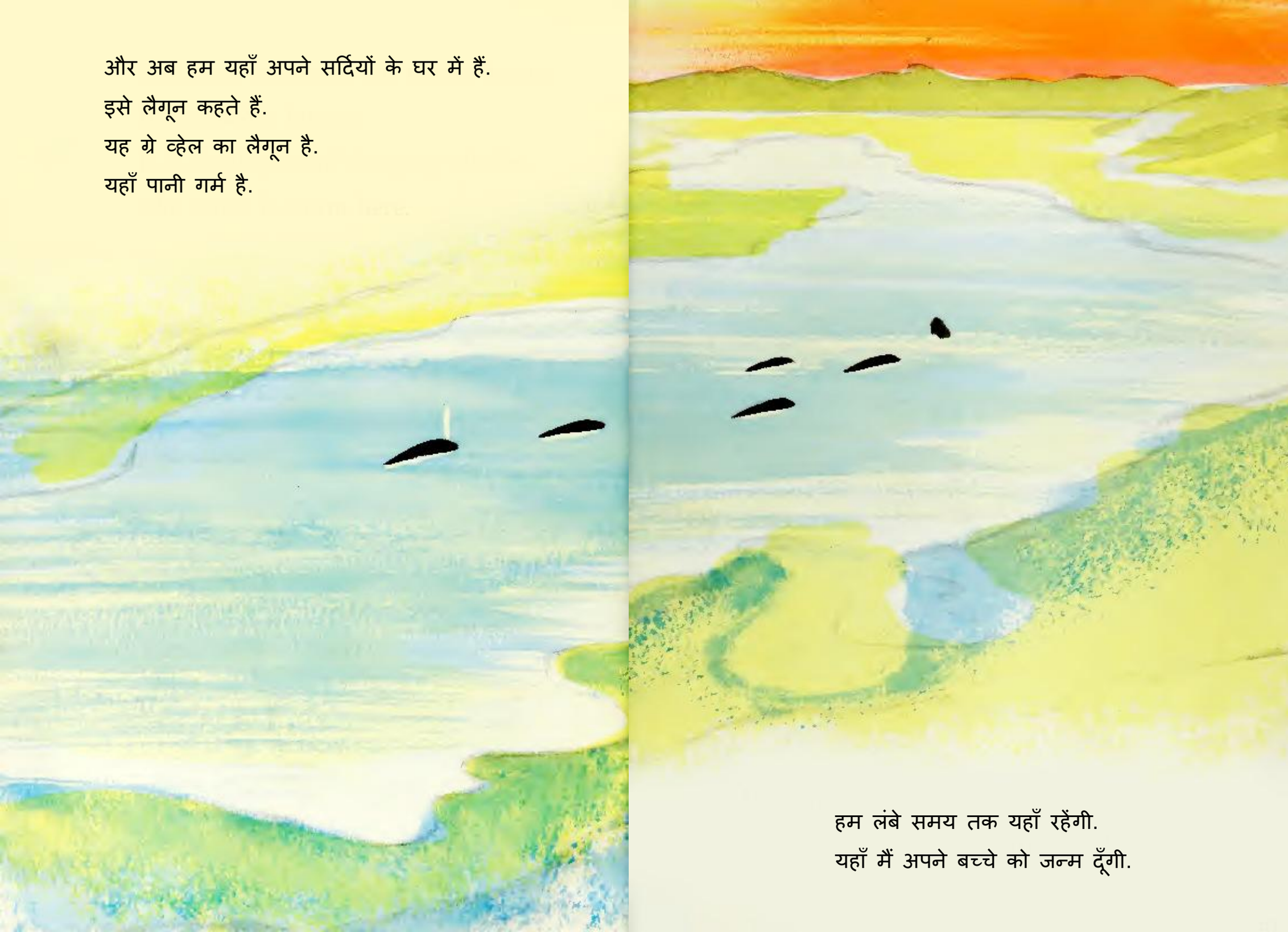

हम लंबे समय तक यहाँ रहेंगी.
यहाँ मैं अपने बच्चे को जन्म दूँगी.

और यह मेरी नन्ही व्हेल है. यह मेरी
नई बच्ची है और मैं इसकी माँ हूँ.

यह दो मनुष्यों जितनी लंबी है लेकिन
एक वयस्क व्हेल की तुलना में बहुत छोटी है.
अभी यह एक बच्ची ही तो है.

मेरी तरह ही इसके शरीर पर धब्बे हैं
और सिर के ऊपर इसकी नाक है.
पानी में वह सुखी और आश्वस्त है.
पानी उसे सतह पर रखता है
और जन्म लेते ही वह तैरने लगती है.

she can swim right away.

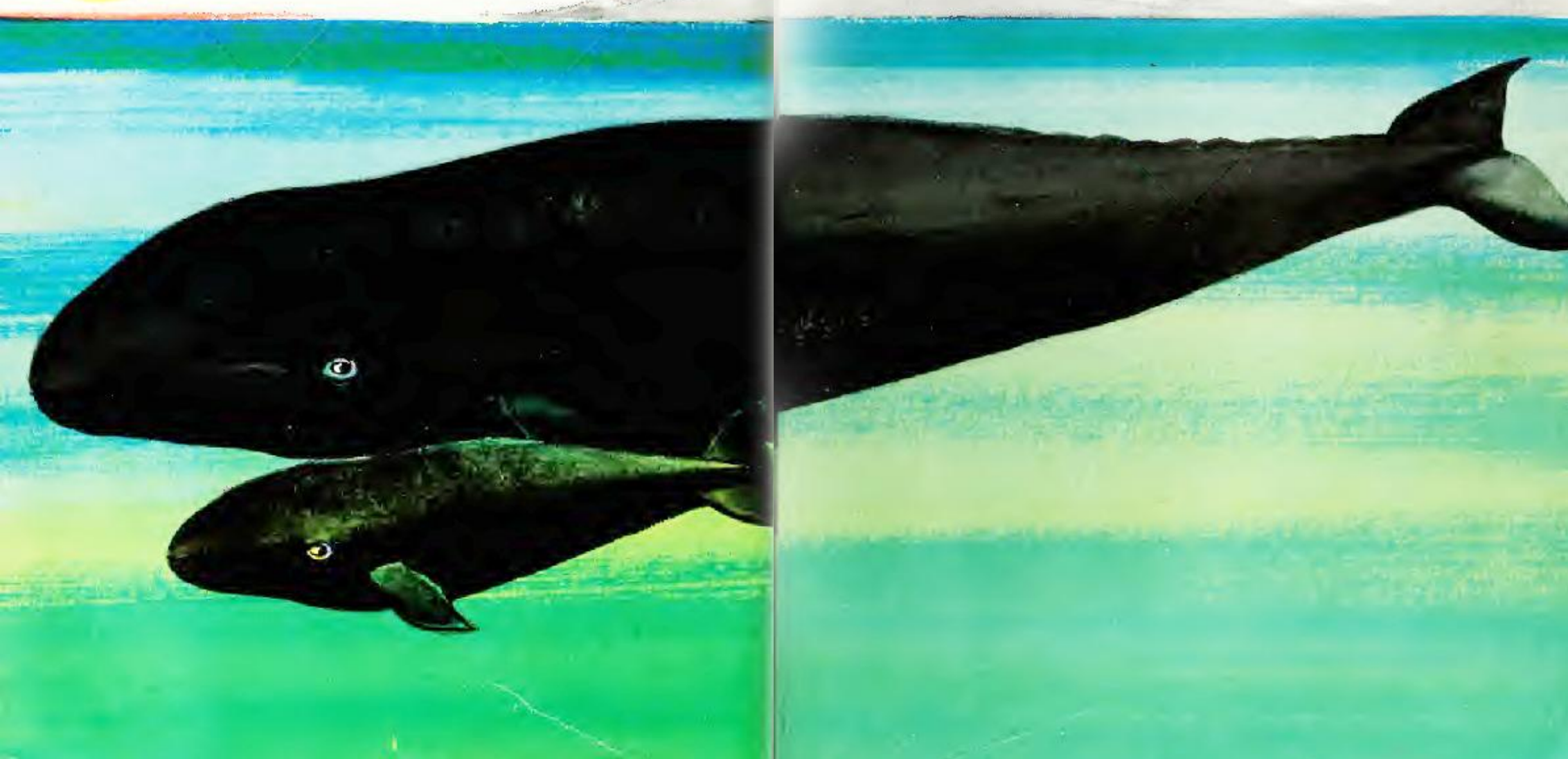

मैं अपनी बच्ची को एक साथ तैरना और
हवा में सांस लेना सिखाती हूँ.
हम पानी की सतह पर आ जाते हैं.
फिर मैं हवा फूंकती हूँ और मेरे साथ
वह भी हवा फूंकती है. एक बड़ी फूंक और
फिर एक छोटी फूंक. मेरी बच्ची और मैं सारे
लैगून में तैरते-तैरते हवा फूंकती हैं.

एक बड़ी फूंक और फिर एक छोटी फूंक.
हम रेतीली पहाड़ियों को देखती हैं.
हम हर उस प्राणी को देखती हैं
जो हमारे ऊपर उड़ रहा है. हम विभिन्न प्रकार
की मछलियाँ देखती हैं जो हमारे आसपास हैं.

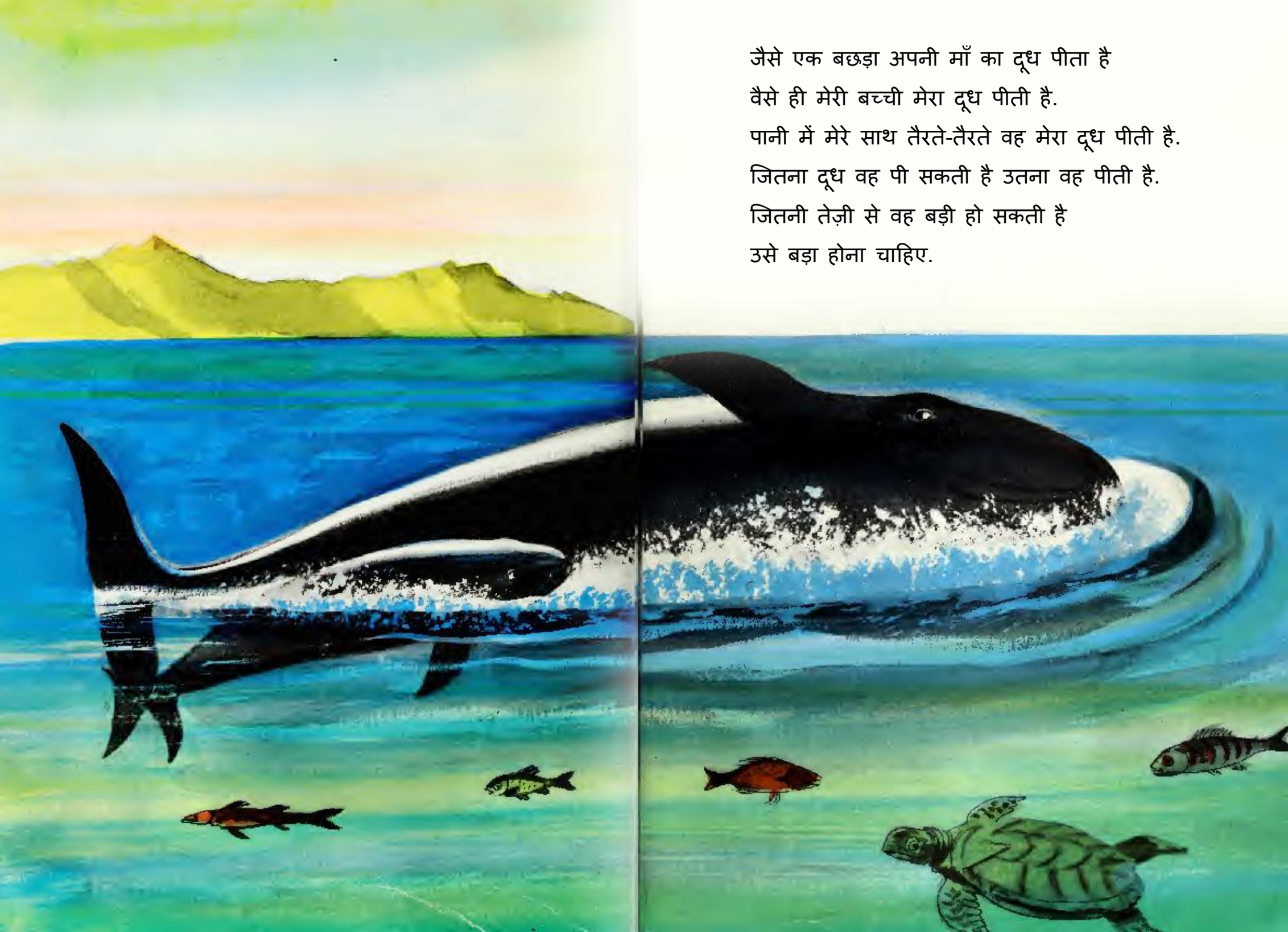

जैसे एक बछड़ा अपनी माँ का दूध पीता है
वैसे ही मेरी बच्ची मेरा दूध पीती है.
पानी में मेरे साथ तैरते-तैरते वह मेरा दूध पीती है.
जितना दूध वह पी सकती है उतना वह पीती है.
जितनी तेज़ी से वह बड़ी हो सकती है
उसे बड़ा होना चाहिए.

एक दिन बच्ची एक नाव देखती है.
यह एक नाव है जिस पर आदमी बैठे हैं.
वह नाव को देखना चाहती है और
तैर कर नाव के पास चली जाती है.

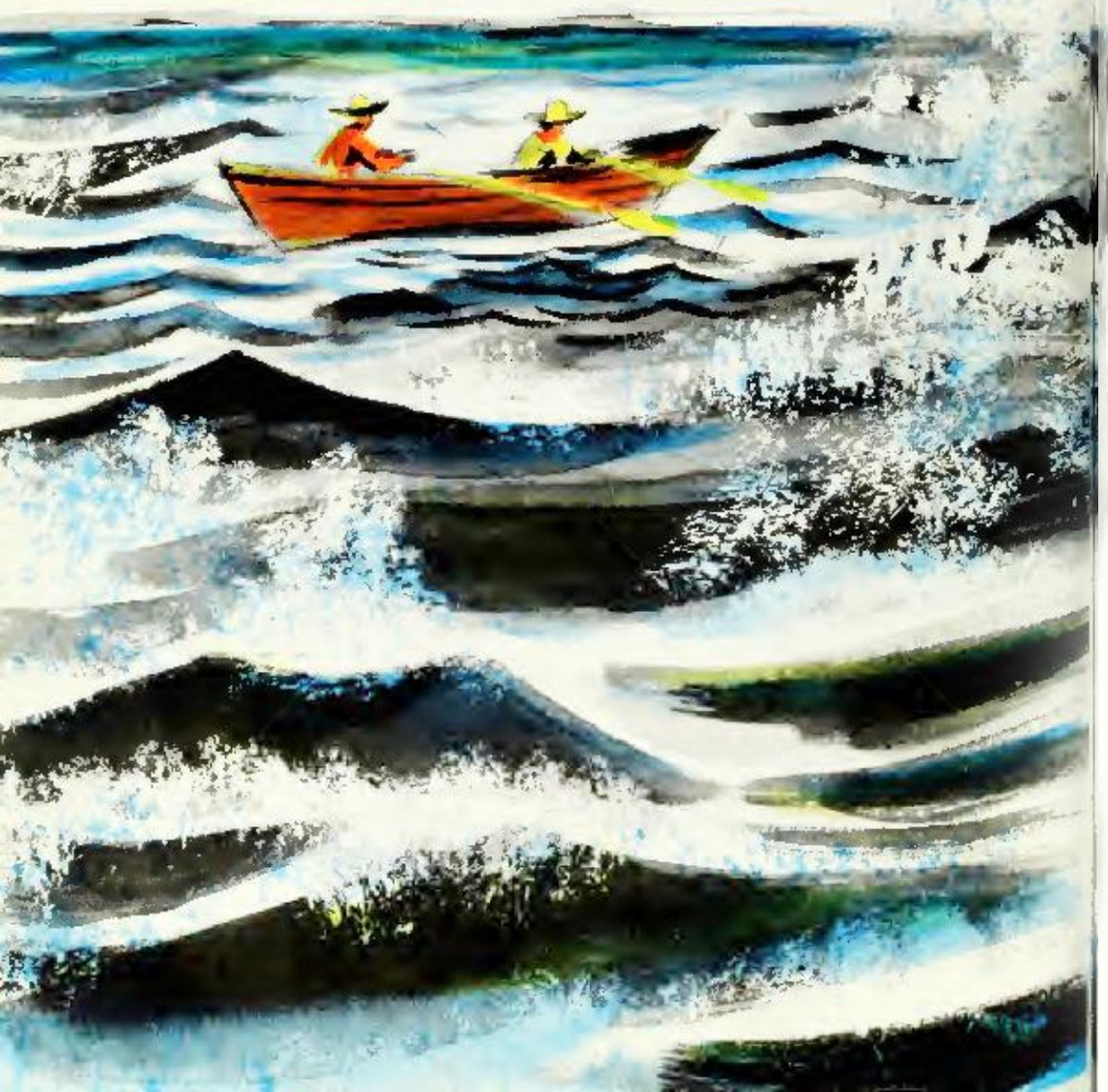

वह पानी से बाहर उछलती है.
छपाक! नाव में बैठे आदमी पानी से
भीग जाते हैं. वह तेज़ी से नाव को
उससे दूर ले जाते हैं. और वह भी तेज़ी से
तैर कर उनसे दूर चली जाती है. यह देखना
मज़ेदार है कि कितनी तेज़ी से वह
एक दूसरे दूर चले जाते हैं.

हमारे लैगून में कई मातायें और
नन्ही व्हेल हैं. हम मज़े करते हैं.
हम में से कुछ पानी के बाहर उछलती हैं.
छपाक! हमारी नाक में पानी भर जाता है.
लेकिन हमें मज़ा आता है.

नन्ही व्हेल वयस्क व्हेल को देखती हैं.
कुछ नन्ही व्हेल भी खेलती हैं.
बड़ी व्हेल के समान. वह उछलती हैं.
वह पानी में गिरती हैं.
वह पानी उछालती हैं.

शीघ्र ही वर्ष का वह समय आ जाता है
जब हमें वापस लौटना होता है. अह हमें तैर कर
ठंडे सागर में स्थित हमारे दूसरे घर जाना होगा.

छोटी व्हेल के लिए यह बहुत लंबी यात्रा है.
इस यात्रा में बहुत समय लगेगा.
नन्ही व्हेल और उनकी मातायें तैरते समय
एक साथ हवा फूंकती हैं.
एक बड़ी फूंक और फिर एक छोटी फूंक.
जहाँ तक आप को दिखाई देता है.

हममें से कई लौट कर यहाँ आएंगी.

हम अगले वर्ष फिर यहाँ आएंगी.

हम हमेशा आई हैं.

हम हमेशा आएंगी.